लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-2

“जिन्दगी में पहली बार मुझे योनि के दर्शन हो रहे थे,
मैं जी भरकर उसे देखना चाहता था और उसके किनारे
अपनी आँखें गड़ाकर देखने लगा, यह मनमोहक दृश्य,
मुझे मदमस्त करे जा रहा था। ...”

Story By: Rishi Kumar (rishi20091982)
Posted: Tuesday, December 13th, 2016
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-2

आपने अब तक पढ़ा..
मेरी पत्नी सरिता सुहाग सेज पर थी और मैं सरिता की पैन्टी को उतारने लगा, सरिता ने मना कर दिया।
अब आगे..

पर मैं भी कहाँ रुकने वाला था, उस पर दबाव डालकर उतार ही डाला, सरिता शर्म के मारे अपनी योनि को हाथ से ढकने लगी।

मैंने उसके हाथ को वहाँ से हटाया तो सामने का दृश्य देखकर मेरे तो होश ही उड़ गए, अब मुझे मालूम हुआ कि इस दुनिया में हर कोई इसका दीवाना क्यों होता है।

जिन्दगी में पहली बार मुझे योनि के दर्शन हो रहे थे, मैं जी भरकर उसे देखना चाहता था और उसके किनारे अपनी आँखें गड़ाकर देखने लगा। एक तो उसकी नारियल पानी जैसी खुशबू ऊपर से ये मनमोहक दृश्य, मुझे मदमस्त करे जा रहे थे।

क्या बताऊँ दोस्तो, ऊपर से दो फांकें ही नजर आ रही थीं, जिसमें अभी हल्के हल्के भूरे भूरे बाल आने शुरू हुए थे।
जिन्दगी में पहली बार योनि को छुआ था।

अब मैंने उसकी योनि को चाटना शुरू किया।
सरिता वैसे भी बेहाल थी.. चाटने के बाद तो उसका और बुरा हाल हो गया, अब तो मेरे सर को और जोर से अपनी योनि पर दबाते हुए और ज्यादा रिक्वेस्ट करने लगी- इ..सस्स.. जानू.. इस्स्स्स.. प्लीज ऐसा मत करो.. वरना मैं मर जाऊँगी ओह्ह.. प्लीज ऐसा मत करो..

वरना मैं मर जाऊँगी।

वो यह बोल भी रही थी और मेरे सर को योनि पर दबा भी रही थी और मुझे मना भी कर रही थी।
मुझे और ज्यादा मजा आने लगा, अब तो मैं दोगुने जोश के साथ उसकी योनि को चाटने लगा।

यहाँ पर मैंने यह सबक लिया कि सम्भोग के समय लड़की प्यार से जिस काम को करने से मना करे.. उसी काम को करो।
मैं लगातार उसकी योनि को चाटे जा रहा था।

दस मिनट लगभग चाटने के बाद उसकी योनि लाल होकर रोने लगी.. अचानक उसका शरीर अकड़ने लगा, उसके मुँह से अजीब सी आवाज निकली और उसने अपने दोनों जांघों से मेरे सर को कसकर दबा लिया और उसकी योनि से नारियल पानी जैसा स्वाद का कुछ तरल पिचकारी के रूप में बह निकला।
कुछ रस मेरे मुँह के अन्दर चला गया और कुछ रस मेरे नाक और चेहरे पर छिटक गया।

मैं तो यह देखकर अवाक रह गया।
सरिता ने आँख बंद करके.. अपनी साँस को रोक लिया था, मैं घबरा गया था। मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। सरिता अपने आपको नियंत्रित करने की कोशिश करने लगी और अपने कूल्हों को 8-10 बार उठा कर जैसे पूरे रस को निकालने लगी।

कुछ पलों बाद सरिता कुछ अच्छा महसूस करने लगी, यह देखकर रोमांच के साथ ही साथ मुझे अच्छा लगा।
उसकी योनि से जो रस निकला बिल्कुल नारियल के पानी जैसा स्वादिष्ट था।

मैंने उसे गिलास में पानी देते हुए उससे पूछा- ये सब क्या हुआ अचानक तुमको ?
वो बोली- ये मेरे साथ पहली बार हुआ है, मुझे भी इस बारे में कुछ पता नहीं है।
फिर मैंने उससे अब पूछा- अब तो ठीक तो हो न.. तुम बोलो तो आज ये सब नहीं करेंगे ?

तो उसने जवाब दिया- मैं बिल्कुल ठीक हूँ, कोई दिक्कत नहीं है, आज हमारी सुहागरात है और इस रात का हम दोनों को बहुत दिन से बेसब्री से इन्तजार था। आज अगर मुझे कुछ हो भी गया तो आप मत रुकना, इस रात को मैं पूरा जीना चाहती हूँ। क्योंकि ये रात पहली बार आई है बार-बार नहीं आएगी। आज की रात आप मुझे सम्भोग करते-करते मार भी डालोगे तो कोई गम नहीं होगा।

मैं तो इतना सुनकर बहुत खुश हुआ.. मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा.. कि जितनी बेसब्री सम्भोग करने की मुझे थी वो भी उतनी ही बेसब्र थी।

अब दोबारा सम्भोग के लिए हम तैयार हुए, मैंने फिर फोरप्ले शुरू किया, कुछ देर उसके होंठों से होंठ मिलाकर उसके मुँह के स्वाद का रसपान किया, सरिता ने भी मेरा पूरा साथ दिया।

उसके बाद कुछ देर तक उसके स्तनों को चूसा, फिर उसकी सिसकारियाँ शुरू हो गईं
'इस्सस.. ऊह्ह.. इस्सस.. छोड़ो न.. ऐसा मत करो.. ऐसा मत करो प्लीज..'
मैं लगा रहा।

अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था, तो मैंने उसे लेटने के लिए कहा और टांग फ़ैलाने के लिए बोला।
उसने वैसा ही किया।

मैंने अपने कपड़े उतारे और उसकी योनि के पास अपना लिंग ले जाकर उसे रगड़ने लगा,

दोनों फाँकों के बीच अपने लिंग को रगड़ने में अपना ही मजा होता है।
अब थी लिंग महाराज को अन्दर घुसाने की बारी, लिंग महाराज तो तनकर तैयार थे, अन्दर घुसने के लिए।

मैंने उसमें उंगली डालकर देखा तो योनि बहुत ही तंग थी। सरिता की योनि सूखी लग रही थी, तो फिर मैंने फिर कुछ देर के लिए चाटना शुरू किया, कुछ पल जोर-जोर से चाटने के बाद उसमें से लिसलिसा सा कुछ निकलने लगा।

फिर मैंने अपने लिंग को उसमें घुसाने की कोशिश करने लगा। एक बार में लिसलिसापन की वजह से मेरा लिंग फिसल गया। दोबारा फिर घुसाने लगा, तो अब कि बार थोड़ा सा घुसा ही था कि सरिता को दर्द होने लगा।
फिर भी मैंने पूरा लिंग अन्दर घुसा ही दिया।

मैं धक्के पर धक्का मारने लगा।
सरिता भी पूरे जोश में थी, वो भी नीचे से कूल्हे उठा कर मेरा पूरा साथ देने लगी। वो मुझसे मस्त होकर रतिक्रिया करने लगी।

कुछ देर धक्के पर धक्का मारने के बाद मेरा शरीर अकड़ने लगा, सरिता का भी शरीर अकड़ने लगा।

मेरे लिंग ने सरिता की योनि में झड़ने का प्रोग्राम बना लिया था कि इतने में ही सरिता ने अपनी योनि में मेरे लिंग को इतना जोर से जकड़ा कि मुझे लगा सरिता मेरे लिंग को काट कर अपने अन्दर रख लेना चाहती हो।
मुझे लगा कि जैसे मेरा लिंग उसकी योनि में ही कट कर रह जाएगा।
मुझे थोड़ा दर्द भी हुआ, लेकिन उत्तेजना के कारण पता नहीं चला।

सरिता ने फिर से वही कार्यक्रम दोहराया, अपने कूल्हे को उठा-उठा कर.. मेरे लिंग को और अन्दर और अन्दर लेना चाहा और 8-10 बार कूल्हे उठा-उठा कर मेरे वीर्य को पूरी तरह से निचोड़ने लगी, जितना मैं दबाव डालता.. सरिता उताना नीचे से कूल्हे को उठाने की कोशिश करती और ज्यादा से ज्यादा मुझे अपने सीने से और योनि से जकड़ने की कोशिश करती थी।

आख़िरकार उसने दबाव डालना बंद किया और निढाल हो गई, मुझ पर उसकी पकड़ ढीली हुई।
हम लोग काफी देर तक एक-दूसरे से लिपटे वैसे ही पड़े रहे।

हम दोनों बहुत खुश थे, जिस रात का हमें काफी दिनों से इन्तजार था वो पूरा हुआ।

थोड़ी देर बाद हम दोनों उठे और सरिता बाथरूम चली गई.. तो मैंने गौर किया कि बिस्तर पर जो चादर थी.. वो हमारे कामरस और उसके योनि खून के मिश्रण से भीगी हुई थी। इसे देखकर मेरी उत्तेजना दोबारा बढ़ने लगी, क्योंकि सरिता ने पहली बार मुझसे ही सम्भोग किया था.. मैं बहुत खुश था।

उसके बाद सरिता बाथरूम से बाहर निकली तो मैंने उसे वो चादर दिखाया और उसे मेरी जिंदगी में आने के लिए और मेरी जीवन संगीनी बनने के लिए धन्यवाद दिया।

उस पूरी रात में हमने 5 बार और सम्भोग किया अलग-अलग आसनों में.. और हर बार सरिता ने वही आनन्द दिया। हमारी शादी को 2 साल हो गए हैं.. आज तक जब भी सम्भोग करते हैं.. सरिता पहली रात की तरह ही मेरे लिंग को कस कर जकड़ लेती है.. और हर रात को वही अनुभव होता है।

अब मुझे पता चल गया है सरिता वैसा क्यों करती है। मेरे लिंग को सरिता का जोर से

जकड़ना उसका चरम होता है, जो हर लड़की के साथ होता है। चरम प्राप्त करने का तरीका सबका अलग-अलग होता है।

सिवाए मासिक धर्म के दिनों के आज तक कोई रात ऐसी नहीं गुजरी.. जिसमें हमने सम्भोग नहीं किया हो और हर रात को मुझे लगता है कि मेरा लिंग कट कर सरिता की योनि में न रह जाए इसीलिए मैंने इस सच्ची घटना को ये शीर्षक दिया।

'लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा'

यह सच्ची घटना आपको कैसी लगी मुझे जरूर बताएं। ताकि सम्भोग के बारे में मेरे और जो अनुभव हैं उन्हें आपके साथ शेयर कर सकूँ।
मुझे इस मेल आइडी पर मेल जरूर करें।
rishi.20091982@gmail.com

Other stories you may be interested in

तीन पत्ती गुलाब-5

ये साली नौकरी भी जिन्दगी के लिए फजीता ही है। यह अजित नारायण (मेरा बॉस) भोंसले नहीं भोसड़ीवाला लगता है। साला एक नंबर का हरामी है। पिछले 4 सालों से कोई पदोन्नति (प्रमोशन) ही नहीं कर रहा है। आज मैं […]
Full Story >>>

कमसिन पड़ोसन की सील तोड़ चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम संजय गुप्ता है मेरी उम्र कोई 21 साल है. मेरे माता पिता सामान्य वर्ग से संबंध रखते हैं और हमारी फैमिली एक साधारण फैमिली है. मेरे माता पिता ने मुझे बहुत ही अच्छी शिक्षा दिलवाई. मैं बचपन […]
Full Story >>>

स्पा वाली चिकनी लड़की की चुदाई

मेरा नाम सैम है और मैं इंदौर का रहने वाला हूं. गोपनीयता की वजह से मैंने इस कहानी में नाम बदल दिये हैं. अन्तर्वासना की कहानियां पढ़ते हुए मुझे काफी समय हो गया है. मेरे मन में कई बार ये […]
Full Story >>>

चचेरी बहन की सील तोड़ी

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साईट खोलें. ऐप इंस्टाल कैसे करें दोस्तो, चुत वाली आंटियों, भाभियों, लड़कियों और लण्ड वालों को मेरा नमस्कार। मेरा नाम प्रीतम है (बदला हुआ) और […]
Full Story >>>

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-11

दोस्तो, मैं आपका साथी जीशान … इस कहानी का अंतिम भाग लेकर आपके सामने आ गया हूँ. इस चुदाई की कहानी में आपने ढेर सारी चुदाइयों का आनन्द लिया है … अब अंतिम भाग में जबरदस्त चुदाई का मंजर आपके […]
Full Story >>>